ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या-१३
दिनांक- मंगलवार,१६ फरवरी, २०२१

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 22.0 एवं 12.5 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 85 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 61 प्रतिशत,हवा की औसत गति 7. 0कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण 4.4 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाष अवधि औसतन 7.2 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 19.3 एवं दोपहर में 23.0 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(17–21 फरवरी, 2021)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 17–21 फरवरी, 2021 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के बादल आ सकते है। मौसम के शुष्क रहने की संभावना है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान में बढ़ोत्तरी के साथ यह 26 से 28 डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान में 2–3 डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के साथ 14–15 डिग्री सेल्सियस के बीच बने रह सकता है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 5 से 7 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से मुख्यतः पछिया हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 90 प्रतिशत तथा दोपहर में 50 से 60 प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- तैयार खेत की एक हल्की जुताई कर गरमा सब्जियों जैसे–भिन्डी, कद्दू, कदिमा, करेला, खीरा एवं नेनुआँ की बुआई किसान भाई कर सकते है। बुआई के लिए मौसम अनुकुल है। भिंडी के लिए परभनी क्रान्ति, अर्का अभय, अर्का अनामिका, वर्षा उपहार, के0एस0–312, लौकी के लिए राजेन्द्र चमत्कार, पूसा समर प्रौलिफिक लाँग, पूसा समर प्रौलिफिक राउंड, नेनुआ के लिए राजेन्द्र नेनुआ–1, पूसा चिकनी पूसा प्रिया,कल्याणपुर चिकनी, करेला के लिए पूसा दो मौसमी, पूसा विशेष, कोयम्बटूर लाँग, पंत करेला और कल्याणपुर बारहमासी अनुशंसित किस्में हैं। किसान भाई प्रमाणित स्त्रोत से बीज का प्रबंध कर लें।
- इस समय लहसुन एवं अगात बोयी गई प्याज की फसल में थ्रिप्स कीट का निगरानी करें। थ्रीप्स कीटों की संख्या अधिक दिखने पर प्रोफेनोफॉस 50 ई0सी0 दवा का 1.0 मि0ली0 प्रति लीटर पानी या इम्डिाक्लोप्रिड दवा का 1.0 मी.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। अच्छे परिणाम हेतु चिपकाने वाला पदार्थ जैसे टीपोल 1.0 मी.ली. प्रति लीटर पानी की दर से घोल में मिलावें।
- शुष्क मौसम को देखते हुए किसान भाई आलू की तैयार फसल की खुदाई करें। खुदाई के 15 दिनों पूर्व सिंचाई बन्द कर दे। बीज वाली आलू की फसल की उपरी लती काट दें।
- केला की सुखी एवं रोगग्रस्त पत्तियों को काटकर खेत से बाहर करें। प्रति केला 200 ग्राम युरिया, 200 ग्राम म्युरेट ऑफ पोटाष एवं 100 ग्राम सिंगल सुपर फॉस्फेट का प्रयोग करे।
- पिछात बोयी गयी सरसों की फसल में लाही कीड़ों के प्रकोप का अनुकुल समय चल रहा है। इससे बचाव के लिए डाईमेथोएट 30 ई0सी0 दवा का 1.0 मि0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल कर छिड़काव करें।
- भिंडी की बुआई के लिए मौसम अनुकूल है। बुआई के समय उन्नत किस्में जैसे परभनी क्रान्ति, अर्का अभय, अर्का अनामिका, वर्षा उपहार, के0एस0–312, ओकरा–04, पंजाब–7, पंत भिडी–1, काषी प्रगति तथा संकर किस्में जैसेः भवानी, कृष्णा, काषी भैरव, काषी महिमा आदि उपयुक्त है। बीज दर 15 से 18 किलों प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई के समय 200 क्विंटल कम्पोस्ट, 120 किलोग्राम नत्रजन, 60 किलोग्राम स्फुर तथा 60 किलग्राम पोटाष व्यवहार करें।
- कजरा (कटुआ) पिल्लू से होने वाले नुकसान से बचाव हेतु गरमा सब्जियों की बुआई पूर्व खेत की जुताई में क्लोरपायरीफॉस 20 ई0सी0 दवा का 2 लीटर प्रति एकड़ की दर से 20–30 किलो बालू में मिलाकर व्यवहार करें। इस कीट के पिल्लू रात्री के समय निकलकर इन सब्जियों की छोटे–छोटे उग रहे पौधो पर चढ़कर पत्तियों तथा कोमल षाखाओं को काटकर खाती है एवं जमीन पर गिरा देती हैं जिससे पूरा पौधा ही सूख जाता है।
- रवी मक्का की अगात फसल जिसमें धनबाल एवं मोचा आ गई हो, 40 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेषन करें।
- समय से बोयी गयी गेहूँ की फसल जो गाभा की अवस्था में आ गयी हो उसमें 30 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टेयर की दर से उपरिवेषन करें।
- इस समय आम में मंजर आ रहा है। जो किसान भाई आम में अभी तक कीटनाषक दवा का छिड़काव नहीं किए हैं, वे इमिडाक्लोरप्रिड (17.8 एस0एल0) दवा 1 मिलीलीटर प्रति 2 लीटर पानी की दर से और घुलनषील गंधक चूर्ण फूंदनाषक दवा (80 डब्लू0पी0) 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें। इससे आम के पेड़ में मधुआ कीट एवं चूर्णित आसिता (पाउडरी मिलडीउ) रोग की उग्रता में कमी आती है।
- इस मौसम में सब्जियों वाली फसल में लाही कीट का प्रकोप की संभावना रहती है, यदि कीटों की संख्या अधिक हो तो इम्डिाक्लोप्रिड दवा का 1.0 मी.ली. प्रति 4 लीटर पानी की दर से घोलकर छिड़काव करें।
- चारा के लिए ज्वार, मकई और बाजरे की बुआई करे। चारे की लगी हुई फसलें जैसे–जई, बरसीम एवं लूसर्न की कटाई 25–30 दिनों के अन्तर पर करें। प्रत्येक कटनी के बाद खेतों में 10 किलोग्राम नेत्रजन प्रति हेक्टर की दर से उपरिवेषन करें।

आज का अधिकतम तापमानः 25.8 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 0.2 डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः 12.3 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 1.7 डिग्री अधिक

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ0 ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी